प्रतिष्ठित लोक-कथाएँ

विक्रम और













विक्रमादित्य बहुत ही प्रसिद्ध और ज्ञानी राजा था। यह कहानी आपको बताएगी कि विक्रम और बेताल कैसे मिले। आइए एक कहानी सुने जो बेताल ने विक्रम को सुनाई।



बहुत पुरानी बात हैं, विक्रमादित्य नाम का बहुत ही प्रसिद्ध और बुद्धिमान राजा था। राजा हर सप्ताह एक आम सभा लगाया करता था जिसमें वह सभी लोगों से मिलता था। इस सभा में एक भिरवारी आता था और राजा को फल देकर जाता था। राजा जानना चाहता था, कि यह भिरवारी उसे फल क्यों देता हैं?

तब भिखारी ने राजा से कहा - अगर तुम फल का रहस्य जानना चाहते हो तो तुम्हें मेरे घर आना पड़ेगा।



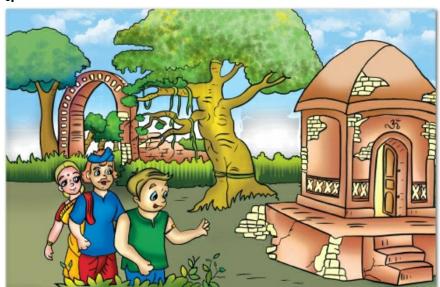
यह सुनकर राजा भिखारी के घर पहुंचा और उसे प्रश्त भरी आंखों से देखा। भिखारी बोला - ''राजा घने जंगल में एक शव पेड़ पर उल्टा लटका हुआ हैं। उसे लेकर मेरे पास आओ। तब मैं तम्हें फल का रहस्य बताऊंगा।''

राजा जंगल में गया और उसने वहां शव को पेड पर उल्टा लटका देखा। जैसे ही उसने शव को उतार कर अपने कंधे पर रखा, वैसे ही वह बोलने लगा।



राजा बहुत हैरान हुआ। शव बोला कि मेरा नाम बेताल हैं। मैंने सुना है कि तुम नेक और दयानु राजा होने के साथ-साथ बुद्धिमान भी हो। मैं तम्हें एक कहानी सुनाता हूँ और कहानी सुनाकर तुमसे एक प्रश्त पूछूंगा। तुम्हें उसका सही जवाब देना होगा। अगर तुम्हारा जवाब सही हुआ तो मैं तुम्हें छोड़ दूंगा नहीं तो तुम्हें मार डालूंगा।

बेताल ने कहानी सुनाना शुरू की। बहुत समय पहले ध्वल नाम का एक धोबी था। एक दिन जब वह नदी किनारे कपड़े धो रहा था, तब उसे एक सुन्दर लड़की दिखी, जिससे उसे प्रेम हो गया। वह भी एक धोबी की लड़की थी। जल्दी ही ध्वल ने उससे शादी कर ली और दोनों बहुत खुशी-खुशी रहने लगे।



त्योहारों का मौराम आया तो लड़की का भाई ध्वल के घर आया और बोला क्यों न तुम मेरे घर चलो, वहां सभी मिलकर त्योहार मनाएगें। यह सुनकर लड़की बहुत खुश हुई और ध्वल भी चलने को राजी हो गया।

अगले दिन तीनों भाई के घर की ओर पैंदल चल दिये। रास्ते में दुर्गाजी का मंदिर पड़ता था, जहां

पर भाई ने कहा कि मैं दुर्गाजी के दर्शन करके अभी आता हूँ । वह दर्शन करके दुर्गाजी को कुछ देना चाहता था, इसलिए उसने अपना सिर काट दिया।



ध्वल और उसकी पत्नी भाई का इंतजार करते रहे। जब भाई नहीं आया तो ध्वल ने कहा मैं देखकर आता हूँ।

अंदर जाकर जब उसने भाई का कटा हुआ सिर देखा तो ध्वल सोचा मुझे भी दुर्गाजी को कुछ देना चाहिए, और उसने भी अपना सिर काट दिया।



लड़की ने बहुत देर तक दोनों का इंतजार किया और जब वे दोनों वापिस नहीं आए तो वह मंदिर में गई।

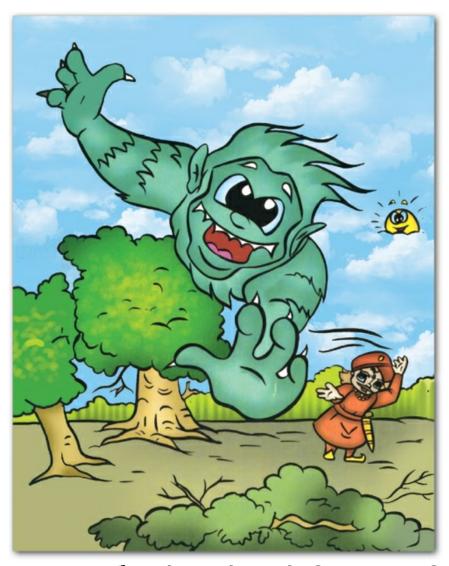
दोनों के सिरों को कटे हुए देखकर उसने जैसे ही अपना सिर काटना चाहा दुर्गा मां ने उसका हाथ पकड़ तिया और बोती मैं तुम सबसे बहुत खुश हूं और मैं इन्हें जिन्दा होने का वरदान देती हूँ

तुम इनके सिरों को इनके धड़ से जोड़ दो तो ये जीवित हो जाएंगे।



लड़की ने गलती से अपने पित के धड़ से भाई का सिर जोड़ दिया और भाई के सिर से पित का धड़ जोड़ दिया। इसके बाद बेताल ने कहा ''बुद्धिमान राजा अब बताओ कि लड़की का पित कौन हुआ?''

राजा ने सोचा और फिर जवाब दिया कि जिस धड़ पर लड़की के पति का सिर हैं वहीं लड़की का पति हैं क्योंकि सिर ही ज्यादा खास होता हैं।



इस पर बेताल बहुत खुश हुआ और उसने राजा को कहा-ओ बुद्धिमान राजा तुम बिल्कुल सही हो। और वह उड़कर उसी पेड़ पर जाकर लटक गया।



विक्रम और बेताल



'प्रतिधित लोक-कथाएँ' विकासित कहानियाँ का ऐसा संग्रह है, जो पुराने एंच नये सकत को दर्शाता है। यह कथी न भूत्यये जाने वाली कहानियाँ का यह संकलन है जो पीवृर्ध पर पीवृर्ध चला आ रहा है।



ment neve

इन करने को उनकी, रोजक और नैनिक रिच्छा की कर्माण्य पहले का अधिकार है। क्यानी की किरायें अंतरी और के काला स्टाट में और करोड़ करने हुने क्यूने के लेकर का आते हैं। हस्ता रहेला हुन करनों को उनक, रोतेंग और स्टूट क्या पूरूप की किरायें उपलब्ध करान हैं। हुन क्यानों के सिन्छ, रोहर्तपक और स्टाटिक क्यानों का स्टेट हैं।

इस अंखाता की अन्य पुस्तके...

- की गर्माश
- . vivy Dured!
- · sewar sår virure
- · universit
- · serfrance offer varieties wire
- भीत में अस्मारीय
- · sewar-mody.
- · sit spee
- · WE STORY
- · DESIGN
- · all vites
- * RECINETE
- गुबर भागमा तेल भी
- · verse when
- · Work (1984 weem)
- · TREPER TRANSFÉ
- · furnit medicit
- · metals
- · NAME AND POST
- · true service
- · refor ferwork
- · fremule



MAPLE PRESS PRIVATE LIMITED

A-63, Sector-58, Novide-201301 (UP) India phone +01.01.20.3480146, 4553381 for +01.01.20.2480145 control tellogroup/depress code soft-site servermap/depress code